Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 14 April 2024

Dainik Jagran Page - 02

कार्यों का शिक्षक देंगे हिसाब, जिम्मेदारी पर होगा सवाल

विभागवार अकादमिक आडिट हुई पूरी, संकायवार समीक्षा की तैयारी, सामने आएगी सबकी लापरवाही

डा. सतेंद्र लता • जागरण

गोरखपुर: अपनी अकादमिक जिम्मेदारियों के प्रति अब दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षक लापरवाही नहीं बरत सकेंगे। जिम्मेदारी की लेकर उनसे सवाल होगा। जवाब के बाद उनके अकादमिक कार्यों का हिसाब होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभागवार शिक्षकों के अकादमिक आडिट की प्रक्रिया पूरी कर ली है और अब संकायवार समीक्षा की तैयारी है।

समीक्षा के दौरान आडिट के सभी बिंदुओं पर उपलब्धियों से लेकर कमियों तक पर चर्चा होगी। शिक्षकों को अपनी शोध उपलब्धियां गिनानी होंगी और दिन-प्रति-दिन कक्षाओं की समय-सारिणी के अनुसार कार्यक्रमों बनानी होगी। विश्वविद्यालय में शैक्षिक योगदान की लेकर आगामी योजना भी साझा करनी होंगी। इस दौरान शिक्षकों को उनकी कमियां भी बताई जाएंगी।

बीते वर्ष विश्वविद्यालय ने अध्ययन-अध्यापन से लेकर शोध व नवाचार पर नजर रखने के लिए अकादमिक आडिट की योजना बनाई थी। इसके पीछे विश्वविद्यालय की मंशा शिक्षकों के शैक्षणिक कार्य और कार्य प्रणाली पर नजर रखने की थी। इसके लिए विश्वविद्यालय ने सात बिंदुओं का एक प्रोफार्मा तैयार किया था। उनपर खरा उतरने की चुनौती

गोरखपुर विश्वविद्यालय • जागरण

संकायवार समीक्षा की तिथि हुई निर्धारित

16 अप्रैल : शिक्षा संकाय, विधि संकाय व वाणिज्य संकाय

18 अप्रैल : विज्ञान संकाय

19 अप्रैल : कला संकाय

नैक मूल्यांकन और रैंकिंग में मिलेगा लाभ

अकादमिक आडिट और उसकी समीक्षा के जरिये विश्वविद्यालय की मंशा वेगवत परिणाम का अवधर्मिक माहौल उत्कृष्ट बनाने की ही नहीं है बल्कि इसके इस्तेमाल से नैक मूल्यांकन कराने और एनआइआरएफ व अन्य रैंकिंग सुधारने की भी है। आडिट से उपलब्ध डाटा का इस्तेमाल इसके लिए किया जाएगा। इससे विश्वविद्यालय के लिए नैक मूल्यांकन में मिले ५-प्लस प्लस ग्रेड को बनाए रखने में मदद मिलेगी, साथ ही विश्वविद्यालय राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग भी सुधरेगी।

शिक्षकों को दी थी। अकादमिक आडिट में शिक्षकों को यह बताना था कि उन्होंने कितनी कक्षाएं लीं। अध्यापन प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए कौन-कौन से नवाचार किए। विद्यार्थियों के लिए कितने ई-लेक्चर और मूक लेक्चर बनाए। किताबों की शोध प्रक्रिया आगे बढ़ाई या कितने शोध को अंतिम रूप दिया।

अकादमिक उपलब्धियों में प्रोजेक्ट व अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर की स्थिति भी जब शिक्षकों के जरिये आडिट प्रशासन को सौंप दिया है तो अब विश्वविद्यालय सोमवारवार उसकी समीक्षा करने जा रहा है। समीक्षा की तिथि निर्धारित कर दी गई है।

कुलपति को सामने लाने और उत्तर प्रदेश अकादमिक व्यवस्था को बेहतर बनाएंगे। इसके लिए अकादमिक आडिट का डाटा हमें शिक्षकों से मिल गया है। अब हम संकायवार उसकी समीक्षा करने जा रहे हैं।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय

पकड़ गए दो नकलची, 748 छात्रा न छाड़ा पराक्षा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: वार्षिक परीक्षा के चौथे दिन शनिवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में दो पाली में परीक्षा का आयोजन किया गया। चौथे दिन 748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा देने के लिए कुल 11029 विद्यार्थी पहुंचे। इनमें जांच के दौरान दो विद्यार्थी नकल करते पकड़े गए। वह अनुचित साधन का प्रयोग कर रहे थे। सुबह आठ बजे से 11 बजे तक प्रथम पाली में होने वाली परीक्षा में करीब 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 307 अनुपस्थित रहे। दोपहर एक बजे से चार बजे तक शाम की पाली में पंजीकृत 7722 विद्यार्थियों में से 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए। परीक्षा की व्यवस्था देखने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन कई केंद्रों पर घूमीं। उन्होंने परीक्षा का इंतजाम देखा और कई निर्देश दिए।

कल से शुरू होंगी सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं: गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कालेज में स्नातक, परस्नातक तथा डिप्लोमा की सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 अप्रैल से शुरू होन जा रही हैं। इसकी संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है, उसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड भी करा दिया गया है।

डा. मीतू सिंह बनीं अलकनंदा हास्टल की वार्डन

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा.मीतू सिंह को अलकनंदा महिला हास्टल के वार्डेन का प्रभार दिया गया है। बीते तीन महीने से यह पद रिक्त था, शनिवार को डा. सिंह को प्रभारी वार्डेन की जिम्मेदारी देने का आदेश कुलसचिव प्रो.शांतनु रस्तोगी ने जारी कर दिया। संस्कृत विभाग की डा.रंजन लता को इस हास्टल का अधीक्षक बनाया गया है।

Amar Ujala Page - 05, 07

मारवाड़ बिजनेस स्कूल के एनुअल फंक्शन में डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन का स्वागत करते विष्णु भजीत सरिया व अन्य। संवाद

आधुनिक दौर में बेहतर शिक्षा प्रणाली जरूरी

मारवाड़ बिजनेस स्कूल के वार्षिकोत्सव में बोलीं डीडीयू की कुलपति

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि आधुनिक और विकसित दौर में बेहतर शिक्षा प्रणाली से छात्रों के भविष्य को सुधारा जा सकता है।

इसके लिए शैक्षणिक संस्थाओं को एनआईआरएफ और नैक एकिडिटेशन के लिए संस्थाओं को प्रयास करते रहना चाहिए। वे शनिवार को मारवाड़ बिजनेस स्कूल के वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि बोल रही थीं। कार्यक्रम में बीकॉम, बीएससी, बीसीए, बीबीए, एम.कॉम और एमएससी के टॉपर छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। संचालन डॉ. वंदना चौहान ने किया। संवाद

डीडीयू में अगले हफ्ते शुरू होगी पीजी और पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया

पीजी का ब्रॉशर लगभग तैयार, पीएचडी के लिए विभागों से मांगा गया सीट का विवरण

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। डीएवी उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया एक हफ्ते में शुरू हो जाएगी। इसके लिए ब्रॉशर लगभग तैयार हो गया है। पाठ्यक्रमों में आवेदन शुरू होने के कुछ दिन बाद ही पीएचडी में आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

डीडीयू में सत्र 2024-25 के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया पहले से चल रही है। लेकिन पाठ्यक्रम और अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए अभी तक प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। प्रवेश के लिए कई परास्नातक पाठ्यक्रमों की अर्हता में बदलाव किया गया है। इसको लेकर सभी विभागों में अर्हता को लेकर जानकारी मांगी गई थी। कुछ विभागों ने अभी इसे जमा नहीं किया है, जिसकी वजह से यह प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही।

2023 वालों को दोबारा देनी होगी परीक्षा : 2023 में रिसर्च एलिजिबिलिटी टेस्ट (रेट) में 34 विषयों में करीब दो हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इसका परिणाम भी जारी हो गया था।

डीडीयू के 18 विद्यार्थियों का डिस्टिंग्विश्ड टेक्नोक्रेट अकिवर्ड पद पर चयन

प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने चयनित छात्रों को बधाई दी

पकड़े गए दो नकलची, 748 छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: वार्षिक परीक्षा के चौथे दिन शनिवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में दो पाली में परीक्षा का आयोजन किया गया। चौथे दिन 748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा देने के लिए कुल 11029 विद्यार्थी पहुंचे। इनमें जांच के दौरान दो विद्यार्थी नकल करते पकड़े गए। वह अनुचित साधन का प्रयोग कर रहे थे। सुबह आठ बजे से 11 बजे तक प्रथम पाली में होने वाली परीक्षा में करीब 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 307 अनुपस्थित रहे। दोपहर एक बजे से चार बजे तक शाम की पाली में पंजीकृत 7722 विद्यार्थियों में से 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए। परीक्षा की व्यवस्था देखने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन कई केंद्रों पर घूमीं। उन्होंने परीक्षा का इंतजाम देखा और कई निर्देश दिए।

कल से शुरू होंगी सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं: गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कालेज में स्नातक, परस्नातक तथा डिप्लोमा की सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 अप्रैल से शुरू होन जा रही हैं। इसकी संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है, उसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड भी करा दिया गया है।

748 लोगों ने छोड़ी परीक्षा अनुचित साधन का प्रयोग करते दो पकड़े

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों में वार्षिक परीक्षा में शनिवार को 11029 विद्यार्थी शामिल हुए। इसके साथ ही 748 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। दो को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया। परीक्षा की सूचिता का जायजा लेने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

सुबह की पाली सुबह आठ से 11 बजे में 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 307 अनुपस्थित रहे। इसके साथ ही शाम की पाली दोपहर एक बजे से चार बजे तक में 7722 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिसमें करीब 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए। इस दौरान दो विद्यार्थियों को परीक्षा में अनुचित साधन का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया। संवाद

डॉ. मीतू बनीं अलकनंदा छात्रावास की वॉर्डन

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीतू सिंह को अलकनंदा महिला छात्रावास का प्रभारी अभिरक्षक (वॉर्डन) बनाया गया है। कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। छात्रावास में वॉर्डन का पद तीन माह से रिक्त था। संस्कृत विभाग की डॉ. रंजनलता को छात्रावास का अधीक्षक बनाया गया है। संवाद

Inext Page - 02, 03

डीडीयूजीयू के 18 स्टूडेंट्स का हुआ कैंपस सेलेक्शन

GORAKHPUR (13 April): गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि संस्थान में शनिवार को कृषि उद्यमिता व ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस दौरान आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में कृषि संस्थान के 18 परास्नातक विद्यार्थियों का इरादा टेक फाउंडेशन में जिला विकास अधिकारी पद पर चयन हुआ.कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्र ने की. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इरादा टेक फाउंडेशन के निदेशक श्रीमंत एचकेपी सुरेंद्र व मनोज चौरसिया रहे.

पकड़े गए दो नकलची, 748 स्टूडेंट्स ने छोड़ दिया एग्जाम

वार्षिक परीक्षा के चौथे दिन परीक्षा देने पहुंचे 11029 स्टूडेंट्स

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (13 April): गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालयों में दो पाली में परीक्षा का आयोजन किया गया. चौथे दिन परीक्षा प्रोफेसर पाली विद्यार्थियों की संयुक्त वार्षिकोक्त रही. 748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. परीक्षा देने के लिए कुल 11029 विद्यार्थी पहुंचे. इनमें जांच के दौरान दो विद्यार्थी नकल करते पकड़े गए. यह अनुचित साधन का प्रयोग कर रहे थे. सुबह आठ बजे से 11 बजे तक प्रथम पाली में होने वाली परीक्षा में करीब 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 307 अनुपस्थित रहे. दोपहर एक बजे से चार बजे तक शाम की पाली में पंजीकृत 7722 विद्यार्थियों में से 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए. परीक्षा की व्यवस्था देखने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन कई केंद्रों पर घूमीं। उन्होंने परीक्षा का इंतजाम देखा और कई निर्देश दिए.

कल से शुरू होंगी सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं

गोरखपुर विश्वविद्यालय एवं संबद्ध कालेज में स्नातक, परस्नातक तथा डिप्लोमा की सम-सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 अप्रैल से शुरू होन जा रही हैं. इसकी संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है. इसकी वेबसाइट पर अपलोड भी करा दिया गया है. सम-सेमेस्टर की परीक्षाओं के संबंध में कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने बताया कि स्नातक, परस्नातक तथा डिप्लोमा प्रोग्राम के परीक्षाओं को संचालन तीन सत्रों में कराया जाएगा. इसमें सुबह 8:00 बजे से 11 बजे तक प्रथम पाली में होंगे पहली परीक्षा में करीब 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 307 अनुपस्थित रहे. दोपहर एक बजे से चार बजे तक शाम की पाली में पंजीकृत 7722 विद्यार्थियों में से 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए. परीक्षा की व्यवस्था देखने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन कई केंद्रों पर घूमीं। उन्होंने परीक्षा का इंतजाम देखा और कई निर्देश दिए.

748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. परीक्षा देने के लिए पहुंचे कुल 11029 विद्यार्थी पहुंचे. इनमें जांच के दौरान दो विद्यार्थी नकल करते पकड़े गए. इन दोनों को परीक्षा से बाहर कर दिया गया है.

7722 विद्यार्थियों ने ले 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए. परीक्षा की व्यवस्था देखने के लिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कई केंद्रों पर घूमीं. इन दौरान उन्होंने परीक्षा का इंतजाम देखा और विद्यार्थियों की सहूलियत के जुड़े कई जरूरी निर्देश दिए.

शुरू होगा पीजी व पीएचडी में प्रवेश

GORAKHPUR (13 April): गोरखपुर : गोरखपुर विश्वविद्यालय में पीएचडी में प्रोग्राम की प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है. स्नातकोत्तरों के पीएचडी में प्रवेश के लिए विभाग सीटों का विवरण मांगा गया है. विभाग सिलेबी ही इसे लेकर क्रोस तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. इस बार फार्म के विभागों को भी पोर्टलपर के साथ में चस्पाना दी जाएगी. इसको लेकर सभी कालेजों से आई विभागों की जानकारी जुटाई जा रही है. विभागों में सीटों की संख्या निर्धारित हो सकेगी. इसके साथ पाठ्यक्रमक पाठ्यक्रमों में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है. इसका क्रोस तैयार कर लिया गया है. विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया पहले कर लिया था की भी. लेकिन, पाठ्यक्रमक और अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए हालांकि पुख्ता नहीं हो सकी है. पाठ्यक्रमक पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू न होने की वजह विभागों के अर्हता को लेकर जानकारी न मिल पाना रही. इधर, वर्ष 2023 में रेट (रिसर्च एलिजिबिलिटी टेस्ट) में 34 विषयों में करीब दो हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी. इसका परिणाम भी जारी हो गया है. इसके बाद विभागों ने अर्हता को लेकर जानकारी मांगी थी. कुछ विभागों ने अभी इसे जमा नहीं किया है, जिसकी वजह से यह प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है.

वार्षिक परीक्षा के चौथे दिन 748 ने छोड़ी परीक्षा

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय तथा संबद्ध महाविद्यालयों में वार्षिक परीक्षा 2024 के चौथे दिन कुल 11029 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इसके साथ ही 748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे तथा दो विद्यार्थियों को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने आज विश्वविद्यालय में हो रही परीक्षा के केंद्रों का निरीक्षण किया उन्होंने सुविधाओं के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा भी की। सुबह की पाली (08 बजे से 11 बजे) में करीब 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे जिसमें 307 अनुपस्थित रहे। इसके साथ ही शाम की पाली (01 बजे से 04 बजे) में 7722 विद्यार्थी पंजीकृत थे जिसमें करीब 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

सम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए विश्वविद्यालय की तैयारी अंतिम चरण में : 15 अप्रैल से होने वाली सम सेमेस्टर की स्नातक, परातक तथा डिप्लोमा प्रोग्राम्स के परीक्षाओं के तैयारी अंतिम चरण में है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन स्वयं इन परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा कर रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की मांग तथा उनके हित को ध्यान में रखते हुए कल संशोधित परीक्षा समय सारणी को जारी किया था। यह संशोधित परीक्षा समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

- कुलपति ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण, कहा परीक्षा को सुचितापूर्ण, पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध

Rashtriya Sahara Page - 07

डीडीयू के 18 विद्यार्थियों का डेवलपमेंट आफिसर पद पर चयन

गोरखपुर (एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कृषि संस्थान में कृषि उद्यमिता तथा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान की निदेशक प्रो. शरद कुमार मिश्र ने की। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में रोजगार तथा व्यवसाय के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इरादा टेक फाउंडेशन के निदेशक श्रीमंत एचकेपी सुरेंद्र तथा मनोज चौरसिया रहे। सीएसआईआर सिमैप केटेक नोलाजी डिस्किमिनेशन एंड कंप्यूटेशनल बायोलाजी विभाग के अतुल त्यागी ने लेमनग्रास तथा खसखस की खेती तथा व्यवसाय, बाजार में मांग तथा आपूर्ति के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा. अलीमुल इस्लाम कृषि प्रसार, वैज्ञानिक, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, बिहार ने कृषि व्यवसाय को बढ़ावा देने की बात की। कार्यक्रम की कोआर्डिनेटर डा. नूपुर सिंह तथा कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर अंबरीष पांडे ने किया। कार्यक्रम में कृषि संस्थान के सहायक आचार्य डा. निखिल रघुवंशी, डा. मोहम्मद ताल्हा अंसारी, डा. मोनालिसा साहू, डा. ज्ञान प्रकाश सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में सेमिनार के साथ एमएससी एजी, अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का भी आयोजन किया गया। कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 18 विद्यार्थियों का चयन डिस्टिक डेवलपमेंट आफिसर के रूप में हुआ। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन तथा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शरद कुमार मिश्र ने चयनित छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

- चयनित छात्रों को कुलपति प्रो. पूनम टण्डन ने दी बधाई
- विश्वविद्यालय में कृषि एवं प्राकृतिक विज्ञान संस्थान में एग्रीपेन्योरशिप पर सेमिनार

Hindustan Page - 04, 05

परास्नातक का ब्रॉशर बनकर तैयार, दिया जा रहा है अंतिम रूप

अगले हफ्ते शुरू होगी पीजी प्रवेश प्रक्रिया, पीएचडी की भी जल्द

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। डीडीयू में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया 20 अप्रैल से अलसाय शुरू हो जाएगी। इसका ब्रॉशर लगभग तैयार है। इसी अप्रैल रूपदिवस जा रहा है। पीजी में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होने के कुछ दिनों बाद ही सत्र 2023 की पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

डीडीयू में सत्र 2024-25 के स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया पहले से चल रही है। लेकिन पाठ्यक्रमक और अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए अभी तक प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। प्रवेश के लिए कई परास्नातक पाठ्यक्रमों की अर्हता में बदलाव किया गया है। सभी विभागों में अर्हता को लेकर जानकारी मांगी गई थी। कुछ विभागों ने अभी इसे जमा नहीं किया है, जिसकी वजह से यह प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है।

पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन अप्रैल तक के अंत पेंडुमल होने की उम्मीद है। इस बार पीएचडी में प्रवेश विश्वविद्यालय के नए अध्यादेश के अनुसार होगा। इस बार कोर्सवर्क के नए शिक्षक भी शोधार्थियों के सुपरवाइजर बन सकेंगे। इसे लेकर सभी कालेजों से विभागों की जानकारी जुटाई जा रही है। विभागों को संख्या निर्धारित होने के बाद ही सीटों की संख्या निर्धारित हो पाएगी। कालेजों से 18 अप्रैल तक फीस और

- पीएचडी के लिए फॉर्मेलीटी व विभागों से मांगा गया सीटों का पूरा विवरण
- सत्र 2023 में 'रेट' देने वालों को दोबारा देनी परीक्षा, नहीं लगेगा कोई शुल्क

गोरखपुर, निज संवाददाता। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर फोकस पर फैकल्टी फॉर्मेलीटी देने, इसके लिए विभिन्न प्रशासन वर्चुअल इन्फ्रास्टक्चर की सुविधा देने जा रहा है। इसके लिए वर्चुअल इन्फ्रास्टक्चर कराने वाली संस्था 'स्मार्ट इन्फ्रास्ट' के करार किया गया है। यह करार इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस संस्था ने उत्तर प्रदेश के सरकारी जगह के कई जगह जुड़े हैं।

वर्चुअलएक्सपुरी के करार होने के बाद संस्था उत्तरके अकादमिक सत्र-सहारिणी के अनुरूप एक कैलेंडर तैयार कर रही है। कैलेंडर में विभागिति विभिन्न घर यह विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम के अनुसार इंटरनेट प्रोग्राम ऑफर करेगी। विद्यार्थी ऑनलाइन पर मेरे पर कार्यक्रम पूरा कर सकेंगे। इस दौरान उन्हें ऑनलाइन ही संस्था के व्याख्यान से उत्तर जगह की बड़ी-बड़ी हस्तियों से संवाद का अवसर मिलेगा। यह भी समझ सकेंगे कि उद्योगों के व्यापार पर बढ़ता उत्तरने के लिए कहा कि कैसे तैयार करें।

प्रो. पीके सिंह ने प्रो. पीके द्विवेदी को जिम्मेदारी : अभियान इन्टरनेट की प्रक्रिया को पूरी करने की जिम्मेदारी प्रो. पीके सिंह ने प्रो. पीके द्विवेदी को सौंपी है। इसके लिए उन्होंने एक कमेटी बनाई है। इसमें प्रो. पीके द्विवेदी और डीन आइटीएस एंड इंजीनियरिंग एंड सहायकी अधिकार प्रो. पीके सिंह को भी शामिल किया गया है। इसके लिए कमेटी ने सभी विभागों से संपर्क कर सहयोग मांगा है।

छात्रों को वर्चुअल इंटर्नशिप सुविधा देगा एमएमएमयूटी

गोरखपुर, निज संवाददाता। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को बेहतर फोकस पर फैकल्टी फॉर्मेलीटी देने, इसके लिए विभिन्न प्रशासन वर्चुअल इन्फ्रास्टक्चर की सुविधा देने जा रहा है। इसके लिए वर्चुअल इन्फ्रास्टक्चर कराने वाली संस्था 'स्मार्ट इन्फ्रास्ट' के करार किया गया है। यह करार इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस संस्था ने उत्तर प्रदेश के सरकारी जगह के कई जगह जुड़े हैं।

एमएमएमयूटी के करार होने के बाद संस्था उत्तरके अकादमिक सत्र-सहारिणी के अनुरूप एक कैलेंडर तैयार कर रही है। कैलेंडर में विभागिति विभिन्न घर यह विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम के अनुसार इंटरनेट प्रोग्राम ऑफर करेगी। विद्यार्थी ऑनलाइन पर मेरे पर कार्यक्रम पूरा कर सकेंगे। इस दौरान उन्हें ऑनलाइन ही संस्था के व्याख्यान से उत्तर जगह की बड़ी-बड़ी हस्तियों से संवाद का अवसर मिलेगा। यह भी समझ सकेंगे कि उद्योगों के व्यापार पर बढ़ता उत्तरने के लिए कहा कि कैसे तैयार करें।

प्रो. पीके सिंह ने प्रो. पीके द्विवेदी को जिम्मेदारी : अभियान इन्टरनेट की प्रक्रिया को पूरी करने की जिम्मेदारी प्रो. पीके सिंह ने प्रो. पीके द्विवेदी को सौंपी है। इसके लिए उन्होंने एक कमेटी बनाई है। इसमें प्रो. पीके द्विवेदी और डीन आइटीएस एंड इंजीनियरिंग एंड सहायकी अधिकार प्रो. पीके सिंह को भी शामिल किया गया है। इसके लिए कमेटी ने सभी विभागों से संपर्क कर सहयोग मांगा है।

आधुनिक दौर में बेहतर शिक्षा प्रणाली जरूरी

गोरखपुर। आधुनिक और विकसित दौर में बेहतर शिक्षा प्रणाली से छात्रों के भविष्य को सुधारा जा सकता है। इसके लिए शैक्षणिक संस्थओं को एनआईआरएफ और नैक एक्रिडिटेशन के लिए प्रयास करते रहना चाहिए, जिससे शिक्षा की गुणवता को बेहतर बनाया जा सके। इसका सीधा असर प्लेसमेंट और प्रवेश पर पड़ता है।

यह बातें डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कही। वे शनिवार को मारवाड़ बिजनेस स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। अध्यक्षता करते हुए डीडीयू के पूर्व डीन साइंस डॉ सुग्रीव नाथ त्रिपाठी ने कहा कि परिकल्पना ज्ञान से भी अधिक महत्वपूर्ण है।

डीडी में बार-बार दी परीक्षा के दौरान सुनिता का आक्रोश जाहिर कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

748 ने छोड़ी विश्वविद्यालयी परीक्षा, यूएफएम में दो दबोचे

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीडीयू एवं संबद्ध कालेजों में चल रही वार्षिक परीक्षा के चौथे दिन शनिवार को कुल 11,029 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 748 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान अनुचित साधन प्रयोग करते दो परीक्षार्थी पकड़े गए। उनके खिलाफ कुलपतिने एक मामला दर्ज कराया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्वयं परीक्षा के दौरान उपस्थित रहकर व्यवस्था का जायजा लिया।

सम सेमेस्टर की परीक्षाओं समाप्त हुए 15 दिन : दीडीयू एवं संबद्ध कालेजों में 15 अप्रैल से सम सेमेस्टर की परीक्षाओं को प्रारंभ हुए 15 दिन हो गया है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने स्वयं परीक्षा के दौरान उपस्थित रहकर व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान 748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। 11,029 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 441 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल नहीं हुए। परीक्षा के दौरान दो परीक्षार्थी को अनुचित साधनों का प्रयोग करते हुए पकड़ा गया। इसके साथ ही शाम की पाली में 4055 विद्यार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 307 अनुपस्थित रहे। इसके साथ ही शाम की पाली (01 बजे से 04 बजे) में 7722 विद्यार्थी पंजीकृत थे जिसमें करीब 441 परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

सम-सेमेस्टर परीक्षा की तैयारी अंतिम चरण में : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में 15 अप्रैल से होने वाली सम सेमेस्टर की स्नातक, परातनात तथा डिप्लोमा प्रोग्राम्स के परीक्षाओं की तैयारी अंतिम चरण में है। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन स्वयं इन परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा कर रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों की मांग तथा उनके हित को ध्यान में रखते हुए कल संशोधित परीक्षा समय सारणी को जारी किया था। यह संशोधित परीक्षा समय सारणी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

Amar Ujala Select Page - 03, 04

अगले हफ्ते शुरू होगी पीजी और पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया

गोरखपुर। डीडीयू में परास्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया एक हफ्ते में शुरू हो जाएगी। इसके लिए ब्रॉशर लगभग तैयार हो गया है। परास्नातक पाठ्यक्रम में आवेदन शुरू होने के कुछ दिन बाद ही पीएचडी में आवेदन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रकिया चार अप्रैल को शुरू कर दी थी, लेकिन परास्नातक और अन्य डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के लिए अभी तक नहीं शुरू हो पाई। प्रवेश के लिए कई परास्नातक पाठ्यक्रमों की अर्हता में बदलाव किया गया है। इसको लेकर सभी विभागों से अर्हता को लेकर जानकारी मांगी गई थी। कुछ विभागों

> परास्नातक के ब्रॉशर का काम तेजी से चल रहा है। पूरा होने के बाद प्रवेश के लिए आवेदन शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद पीएचडी के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। -प्रो. हर्ष सिन्हा, निदेशक प्रवेश सेल

ने अभी इसे जमा नहीं किया है, जिसकी वजह से यह प्रक्रिया शुरू नहीं हो पा रही है।

2023 वालों को दोबारा देनी होगी परीक्षा : 2023 में रिसर्च एलिजिबिलिटी टेस्ट (रेट) में 34 विषयों में करीब दो हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। इसका परिणाम भी जारी हो गया था।

पकड़ गए दो नकलची, 748 छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

जागरण संवाददाता, गोरखपुर: वार्षिक परीक्षा के चौथे दिन शनिवार को गोरखपुर विश्वविद्यालय और सम्बद्ध महाविद्यालयों में दो पाली में परीक्षा का आयोजन किया गया। चौथे दिन 748 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा देने के